भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1262

गुरूवार, 1 अगस्त, 2024/10 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

यात्रा और पर्यटन विकास में भारत की रैंकिंग

1262 श्री संजीव अरोड़ा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को विश्व आर्थिक मंच की यात्रा एवं पर्यटन विकास रैंकिंग के बारे में जानकारी है, जो दर्शाती है कि भारत की रैंकिंग दस पायदान गिरकर 39 पर आ गई है;

(ख) क्या सरकार उक्त रिपोर्ट के निष्कर्षों को स्वीकार करती है कि भारत की पर्यटन नीतियों, हवाई परिवहन अवसंरचना, पर्यटक सेवा सुविधाओं, सुरक्षा, कौशल-प्राप्त जनशक्ति, विपणन, स्वच्छता में काफी कमी है;

(ग) क्या समृद्ध सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत के बावजूद भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय इन बाउण्ड पर्यटन बाजार का केवल एक प्रतिशत हिस्सा है; और

(घ) वैश्विक पर्यटन संवर्धन बजट में 97 प्रतिशत की कटौती तथा उड़ान योजना के लिए बजटीय आवंटन में 60 प्रतिशत की कमी जैसे प्रमुख मुद्दों के समाधान के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): विश्व आर्थिक फॉरम (डब्ल्यूईएफ) द्वारा प्रकाशित यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टीटीडीआई) 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 119 देशों में भारत 39वें स्थान पर है। वर्ष 2021 में प्रकाशित सूचकांक में भारत 54वें स्थान पर था। यद्यपि डब्ल्यूईएफ की कार्यप्रणाली में हुए संशोधन के कारण भारत को वर्ष 2021 में 38वें स्थान पर समायोजित कर दिया गया था।

टीटीडीआई रिपोर्ट के अनुसार, उल्लिखित टीटीडीआई स्तम्भों में से भारत के स्कोर में तीन क्षेत्रों में सुधार हुआ है: यात्रा और पर्यटन को प्राथमिकता, सुरक्षा और संरक्षा तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता।

मई 2024 के यूएनडब्ल्यूटीओ बैरोमीटर के अनुसार, वर्ष 2022 में दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन 975 मिलियन था जिसमें 14.3 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन भारत में दर्ज किया गया जोकि अंतर्राष्ट्रीय अंतर्गामी पर्यटन बाज़ार शेयर का 1.47 प्रतिशत था। वर्ष 2022 में एशिया और प्रशांत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत की हिस्सेदारी 15.66 प्रतिशत है ।

पर्यटन मंत्रालय देश के भीतर और विदेशी बाज़ारों में देश के पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। इन उद्देश्यों को एकीकृत विपणन और संवर्धनात्मक कार्यनीति तथा यात्रा व्यापार, राज्य सरकारों और भारतीय मिशनों के सहयोग से एक समन्वित अभियान के माध्यम से पूरा किया जाता है। मंत्रालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से भी संवर्धन किया जाता है। देश के पर्यटक स्थलों को मंत्रालय द्वारा विकसित विभिन्न संवर्धनात्मक सामग्रियों के माध्यम से भी प्रोत्साहित किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय वैश्विक पर्यटन बाज़ारों में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए प्रमुख और सम्भावित विदेशी बाज़ारों में आयोजित यात्रा मेलों/महोत्सवों में भी भाग लेता है।

‘‘चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना (सीएसएसएस)’’ के तहत पर्यटन मंत्रालय उड़ान (आरसीएस) की योजना पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति कर रहा है। अब तक नागर विमानन मंत्रालय को 226 करोड़ रु. की राशि की प्रतिपूर्ति की गई है। आरसीएस उड़ान के तहत महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 53 पर्यटक मार्ग प्रचालनरत हैं।

****